साप्ताहिक
बुलंद गोंदिया
खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | **RNI NO. MAH-HIN-2020/84319**

मोटरसाइकिल चोरी

गोंदिया-दवनीवाड़ा थाने के तहत दवनीवाड़ा निवासी फिर्यादी ओमप्रकाश मोतिलाल मेश्राम (28) ने अपनी मोटरसाइकिल घर के आगे आंगन में रखा था. जिसे अज्ञात व्यक्ति ने चुरा लिया. जिसकी कीमत 27 हजार 500 रु. बताई गई है. फिर्यादी की शिकायत पर दवनीवाड़ा पुलिस ने मामला दर्ज किया है.

वर्ष : 6 । अंक : 47 | गोंदिया : गुरुवार, दि. 2 जुलाई से 8 जुलाई 2026 | पृष्ठ : 4

नागरिकों के सर्वांगीण विकास के लिए सटीक आँकड़े ज़रूरी-उपायुक्त सुनिल धोंगडे

बुलंद गोंदिया। ज़िला सांख्यिकी कार्यालय के उपायुक्त सुनिल धोंगडे ने कहा कि सही योजना बनाने, असरदार फ़ैसले लेने और नागरिकों के सर्वांगीण विकास के लिए सटीक आँकड़े बहुत ज़रूरी हैं।

ज़िला सांख्यिकी कार्यालय में 20वें राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे। इस कार्यक्रम में डॉ. रूपेश राउत (प्रभारी ज़िला योजना अधिकारी), अंजू कांबले-निमसर्कर (ज़िला सूचना अधिकारी) और प्रो. अलका पाटिल (अर्थशास्त्र विभाग की प्रमुख, ह्स्ष्ठ कॉलेज) मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद थे।

उपायुक्त सुनिल धोंगडे ने बताया कि राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस हर साल 29 जून को मनाया जाता है। यह दिन भारतीय सांख्यिकी के क्षेत्र के मशहूर वैज्ञानिक और भारत में सांख्यिकी के जनक माने जाने वाले प्रो. प्रशांत चंद्र महालनोबिस की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। इस दिन का मुख्य मकसद नागरिकों में सांख्यिकी विज्ञान के बारे में जागरूकता पैदा करना और देश के विकास के लिए सटीक जानकारी और डेटा के महत्व को उजागर करना है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय प्रगति के लिए सटीक डेटा, वैज्ञानिक विश्लेषण और असरदार योजना बनाना ज़रूरी है; राष्ट्र-निर्माण में सांख्यिकीय डेटा अहम भूमिका निभाता है।प्रोफ़ेसर डॉ. पाटिल ने कहा कि देश की 1.4 अरब आबादी की गिनती करना कोई आसान काम नहीं है। उन्होंने सटीक जानकारी इकट्ठा करने और उसे सरकार को सौंपने की प्रक्रिया को एक उदाहरण के ज़रिए समझाया। प्रो. प्रशांत चंद्र महालनोबिस ने भारत की आधुनिक सांख्यिकीय प्रणाली के विकास में अहम योगदान दिया। उनके शोध और काम ने देश में डेटा इकट्ठा करने, विश्लेषण करने और योजना बनाने की प्रक्रियाओं के लिए वैज्ञानिक आधार तैयार किया। उन्होंने दिखाया कि सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए नीतियाँ बनाते समय सांख्यिकी का असरदार ढंग से इस्तेमाल कैसे किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि शासन, उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था जैसे क्षेत्रों में कई अहम फ़ैसले भरोसेमंद आँकड़ों पर आधारित होते हैं।

डॉ. राउत ने कहा कि आँकड़े सिर्फ़ संख्याएँ नहीं हैं, बल्कि देश के विकास का आधार हैं। सटीक आँकड़े योजना बनाने, नीति बनाने और प्रगति की राह आसान बनाते हैं। सांख्यिकी शोध, अर्थव्यवस्था, शासन और समाज के लिए एक असरदार साधन का काम करती है। सटीक जानकारी, सही विश्लेषण और सही फ़ैसले लेना ही प्रगति का रास्ता है। उन्होंने कहा कि सांख्यिकी दिवस सटीक जानकारी और डेटा के ज़रिए एक ज़्यादा सक्षम और उन्नत भारत बनाने के लिए समर्पित एक अवसर है। श्रीमती निमसरकार ने बताया कि रोज़मर्रा की ज़िंदगी में सांख्यिकीय डेटा का बहुत महत्व है। आज के डिजिटल दौर में, डेटा को विकास का एक अहम आधार माना जाता है। उन्होंने कहा कि जनसंख्या, शिक्षा, रोज़गार, कृषि, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे जैसे अलग-अलग क्षेत्रों के डेटा का विश्लेषण करके सरकार और नीति-निर्माता ज़्यादा असरदार फ़ैसले ले सकते हैं। कार्यक्रम की शुरुआत में, मुख्य अतिथियों ने प्रो. प्रशांत चंद्र महालनोबिस की तस्वीर पर फूल चढ़ाकर श्रद्धांजलि दी और पारंपरिक दीप जलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

इस कार्यक्रम में असिस्टेंट रिसर्च ऑफ़िसर तुलसीदास ज़ंज़ाद और कमलाकर गवनर; स्टैटिस्टिकल असिस्टेंट उत्तम सकोरे, राहुल राउत, कृपाली राउत, देवेंद्र डोरलीकर और गौतम सहारे; साथ ही विपुल फरताडे, प्रशांत प्रेमलवार और मुकेश सोरले मौजूद थे। देवेंद्र डोरलीकर ने कार्यक्रम का संचालन किया, जबकि कमलाकर गवनर ने धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया।

मंदार पत्की ने गोंदिया के ज़िलाधिकारी का पद संभाला

बुलंद गोंदिया। भारतीय प्रशासकीय सेवा के 2019 बैच के अधिकारी मंदर पत्की ने गोंदिया ज़िले के नए ज़िलाधिकारी के तौर पर पदभार संभाल लिया है। इससे पहले, उन्होंने यवतमाल ज़िला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के तौर पर बेहतरीन नेतृत्व किया था। नंदुरबार ज़िले के तालोदा में प्रोजेक्ट ऑफिसर और सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट के तौर पर काम करते हुए, पत्की ने आदिवासी इलाकों में विकास कार्यों को तेज़ी दी थी। बीड ज़िले के रहने वाले मंदर पत्की ने 2019 की यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन परीक्षा में ऑल-इंडिया 22वीं रैंक हासिल की थी। उन्होंने पुणे के VIT कॉलेज से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में अपनी पढ़ाई पूरी की। गोंदिया ज़िले का पदभार संभालने के बाद, उन्होंने कहा कि वे प्रशासन को ज़्यादा पारदर्शी, जन-केंद्रित और कुशल बनाने पर ध्यान देंगे। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि नागरिकों की शिकायतों का तुरंत समाधान करना और विकास परियोजनाओं को तेज़ी से आगे बढ़ाना उनकी मुख्य प्राथमिकताएं होंगी।

जीवन की दो बूंदें अभियान के तहत बड़े पैमाने पर अर्जुन/मोरगांव में पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान सफल

बुलंद गोंदिया। (संवाददाता अर्जुन/मोरगांव)- देश को पोलियो-मुक्त रखने के मकसद से राष्ट्रीय जीवन की दो बूंदें पल्स पोलियो अभियान के तहत अर्जुन/मोरगांव इलाके में युद्धस्तर पर पोलियो टीकाकरण अभियान चलाया गया। शहरी और ग्रामीण दोनों इलाकों में कई जगहों पर टीकाकरण केंद्र बनाए गए, जहां पांच साल से कम उम्र के बच्चों को पोलियो वैक्सीन की दो बूंदें पिलाई गईं। माता-पिता ने उत्साहपूर्वक अपनी ज़िम्मेदारी निभाई और अपने छोटे बच्चों को जीवन रक्षक पोलियो की बूंदें दिलाने के लिए टीकाकरण केंद्रों पर लाए। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने इस अभियान को सफल बनाने के लिए पूरी लगन और निष्ठा से काम किया। स्वास्थ्य कर्मियों, नर्सों, सुपरवाइज़रों, आशा स्वयंसेवकों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने जागरूकता फैलाने के लिए घर-घर जाकर संपर्क किया। उन्होंने 100त्न टीकाकरण कवरेज का लक्ष्य हासिल करने के लिए अथक प्रयास किए। यह अभियान इस बात का एक बेहतरीन उदाहरण है कि कैसे जन-भागीदारी और स्वास्थ्य विभाग के समन्वित प्रयासों से एक स्वस्थ, पोलियो-मुक्त भारत का निर्माण

पल्स पोलियो टीकाकरण से बच्चों में बीमारी से लड़ने के लिए रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती-लायकराम भेंडारकर

बुलंद गोंदिया। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत, पोलियो संडे पर पूरे ज़िले में 0 से 5 साल की उम्र के बच्चों को पोलियो वैक्सीन की दो खुराकें दी गईं। ज़िला स्वास्थ्य प्रशासन ने वैक्सीन देने के लिए कई जगहों पर वैक्सीनेशन बूथ लगाए,इनमें ज़िला अस्पताल, सब-ज़िला अस्पताल, ग्रामीण अस्पताल, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र , हेल्थ एंड वेलनेस सब-सेंटर, आंगनवाड़ी, ग्राम पंचायत, रेलवे स्टेशन, बस स्टॉप, सार्वजनिक स्थान और ईंट-भट्टे शामिल थे। इस अभियान की शुरुआत पूरे ज़िले में अधिकारियों, जन प्रतिनिधियों, ज़िला परिषद सदस्यों, पंचायत सदस्यों और सरपंचों ने बच्चों को वैक्सीन की खुराक देकर की। ज़िला परिषद अध्यक्ष लायकराम भेंडारकर ने अर्जुनी मोरगांव तालुका के चन्ना बकती स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित नेशनल पल्स पोलियो वैक्सीनेशन कार्यक्रम में हिस्सा लिया। उन्होंने स्थानीय वैक्सीनेशन बूथ पर एक छोटे बच्चे को एंटी-पोलियो वैक्सीन की दो बूंदें पिलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इसके तुरंत बाद, उन्होंने इंजोरी आंगनवाड़ी के बूथ का दौरा किया और वहां भी पोलियो वैक्सीन की दो खुराकें देने की शुरुआत की। 28 जून को, ज़िला परिषद अध्यक्ष लायकराम भेंडारकर ने अर्जुनी मोरगांव तालुका में चन्ना बकती प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और इंजोरी आंगनवाड़ी में पोलियो बूथ का उद्घाटन किया। सुबह 8:00 बजे पहुंचकर, उन्होंने बच्चों को पोलियो की बूंदें पिलाईं और पोलियो वैक्सीनेशन के महत्व पर ज़ोर दिया। वैक्सीनेशन बच्चों की मृत्यु दर और कुपोषण को रोकने का एक असरदार तरीका है। जन्म से ही अलग-अलग चरणों में वैक्सीन देने से कई बीमारियों से लड़ने के लिए ज़रूरी इम्यूनिटी बनती है। माता-पिता से ज़िम्मेदारी से काम लेने और यह पक्का करने के लिए कहा गया कि उनके बच्चे सरकारी अस्पतालों में पूरा वैक्सीनेशन करवाएं, ताकि कुपोषण और गंभीर बीमारियों के खिलाफ ज़रूरी इम्यूनिटी बन सके। पोलियो वैक्सीनेशन बच्चों के लिए एक सुरक्षा कवच का काम करता है। नागरिकों को प्रोत्साहित किया गया कि वे बिना किसी हिचकिचाहट के अपने बच्चों को नज़दीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर मुफ़्त में वैक्सीन लगवाएं। माता-पिता से ज़ोरदार अपील की गई कि वे ज़िम्मेदारी से अपने बच्चों को पल्स पोलियो वैक्सीनेशन सेंटर ले जाएं, उनकी सेहत की सुरक्षा पक्का करें और पोलियो-मुक्त समाज बनाने में योगदान दें। चन्ना बकती प्राइमरी हेल्थ सेंटर में मेडिकल ऑफिसर डॉ. श्वेता कुलकर्णी और डॉ. कुंदन कुलसुंगे के साथ कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर आरती काले मौजूद थीं; वहीं, इंजोरी आंगनवाड़ी में आशा वर्कर वनिता मारस्कोल्हे और आंगनवाड़ी वर्कर मौजूद थीं।

नगराध्यक्ष असाटी ने किया विद्यार्थियों का स्वागत

तिरोड़ा-शाला प्रवेशोत्सव 2026-27 के तहत नगर परिषद के तहत आने वाले डॉ. राजेंद्र प्रसाद प्राइमरी स्कूल में प्रवेशोत्सव पर रिबन काटकर नए शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ व कक्षा कमरे के प्रवेश द्वार का उद्घाटन नगराध्यक्ष अशोक असाटी के हस्ते फीता काटकर किया गया. इस दौरान अतिथि रश्मी बुराडे, मनीषा येरपुडे, राखी गुनेरिया, लता पुडके और ममता बैस ने विद्यार्थियों का स्वागत किया.

शाहू महाराज ने सामाजिक और शैक्षिक क्षेत्रों में अभूतपूर्व क्रांति लाई -अतिरिक्त जिलाधिकारी अभिजीत घोरपड़े

बुलंद गोंदिया।अतिरिक्त जिलाधिकारी अभिजीत घोरपड़े ने कहा कि राजर्षि छत्रपति शाहू महाराज ने सामाजिक और शैक्षिक क्षेत्रों में अभूतपूर्व क्रांति लाई और समाज के वंचित वर्गों को मुख्यधारा में लाने का महान कार्य किया। वे महाराज की जयंती के अवसर पर आयोजित सामाजिक न्याय दिवस कार्यक्रम में बोल रहे थे।

गोंदिया के समाज कल्याण कार्यालय (सामाजिक न्याय विभाग के अंतर्गत) द्वारा सामाजिक न्याय भवन में राजर्षि छत्रपति शाहू महाराज की जयंती %सामाजिक न्याय दिवस% के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर समाज कल्याण के सेवानिवृत्त उप-आयुक्त अनिल देशमुख, शुद्धोधन सहारे, सविता बेदरकर, समाज कल्याण के सहायक आयुक्त किशोर भोयर, समाज कल्याण अधिकारी कीर्तिकुमार कटरे और समाजभूषण संगठन के पदाधिकारी उपस्थित थे।

घोरपड़े ने बताया कि राजर्षि छत्रपति शाहू महाराज का जन्म 26 जून 1874 को कागल के घाटगे परिवार में हुआ था। शाहू महाराज एक सक्रिय शासक थे जिन्होंने बहुजन (आम जनता/वंचित) समुदाय के उत्थान और समानता के लिए कई पहल कीं। आम लोगों की शिक्षा के प्रति गहरी प्रतिबद्धता के कारण, उन्होंने कोल्हापुर रियासत में मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का कानून लागू किया। उन्होंने कई गांवों में स्कूल स्थापित किए और उन माता-पिता पर प्रति माह एक रुपया जुर्माना लगाने का कानूनी प्रावधान किया जो अपने बच्चों को स्कूल नहीं भेजते थे। उनका दृष्टिकोण सुधारवादी था और वे समाज के उपेक्षित, पिछड़े और कमजोर वर्गों के प्रति गहरी सहानुभूति रखते थे। उन्होंने कहा कि उनकी जयंती, 26 जून, को हर साल %सामाजिक न्याय दिवस% के रूप में मनाया जाता है ताकि समाज के सामने उनके आदर्शों को उजागर किया जा सके।

इस अवसर पर समाजभूषण पुरस्कार विजेता शुद्धोधन सहारे और डॉ. सविता बेदरकर के साथ-साथ समाज कल्याण के सेवानिवृत्त उप-आयुक्त अनिल देशमुख ने भी अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर, गणमान्य व्यक्तियों ने कई छात्रों को स्मृति चिन्ह और योग्यता प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया- खुशी सुहास सुखदेव (जिन्होंने गोंदिया जिले में 10 वीं कक्षा की परीक्षा में टॉप किया); अक्षरा शैलेन्द्र कोल्हे (जिन्होंने 10वीं कक्षा में डिविजनल बोर्ड के शीर्ष 100 छात्रों में गौरव हासिल किया); कृष मधुलव चव्हाण (देवरी तालुका से 12वीं कक्षा के टॉपर) और याशिका राजेश गुनेरिया (तिरोरा तालुका से 12वीं कक्षा के टॉपर); साथ ही सरकारी आवासीय विद्यालय के छात्र जिन्होंने 10वीं कक्षा में विशिष्टता हासिल की- अक्षरा गोपीलाल मेश्राम, तन्मय खेमराज सौस्कर, आर्य प्रदीप वैद्य, संचित मोरेश्वर शहारे, मोनिका रामकिशन देवांगन, रुतुजा अजय मेश्राम, कोमल लालचंद उके, दक्ष देवेंद्र मेश्राम, हेमंत गोवर्धन लाडे, और सिमरन रामेश्वर नंदगाये।

इसके अतिरिक्त, गणमान्य व्यक्तियों द्वारा गटाई श्रमिकों (पारंपरिक मोची/जूता मरम्मत करने वालों) को धातु के स्टॉल वितरित किए गए- राजेश दुलीचंद सेवतकर, प्रेमलाल अंकुश बर्वे, लक्ष्मण बाबूलाल सेवतकर, देवराम तिलकचंद टांडेकर, मिलिंद कोविंदा बिंझाड़े, कल्पना माणिक बरियेकर, अभिमान मोतीराम बिंझाड़े, धर्मेंद्र ओंकार जगने, नरेश सुभाष बरैये, नरेंद्र कुंभारिया टांडेकर, सुजीत विक्रम खरोले, विनोद भोजराज जगने, जितेंद्र रामू छिपे, तेजराम दुलीचंद भोंडेकर, संजय सुखदेव चावरे, मंगेश शिवराम चौबे, अमित उमराव निकुरे, कपूरचंद शिवलाल कुलभाजे, सुरेंद्र लाखचंद कुलभाजे, वीरेंद्र प्रेमलाल मोहबे, राजेश भरतलाल कनोजे और भीकू मेहतर गायकवाड़।

समाज कल्याण विभाग के सहायक आयुक्त किशोर भोयर ने परिचयात्मक भाषण दिया। कार्यक्रम का संचालन प्रमोद गणवीर ने किया, जबकि हेमंत घाटघुमर ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं नागरिक उपस्थित थे। समाज कल्याण निरीक्षक स्वाति कापसे और राजेश मुधोलकर के साथ-साथ लक्ष्मण खेडकर, प्रकाश मेश्राम, अमित रंगारी, दीपक मेश्राम, पुष्पलता धांडे, आशीष जांभुलकर, पंकज काले, निशांत वाघमारे, माणिकराव इरले, गिरिधर गोबडे, योगेश हजारे, निवेदिता बाघेले, विद्या मेश्राम, निवास सहारे और क्रिस्टल कंपनी के कर्मचारियों ने कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत की।

धरपकड़ अभियान से वाहन चालकों में डर

तिरोड़ा-नाबालिग वाहन चालकों की संख्या में बढ़ोतरी होने से अनैसर्गिक दुर्घटनाओं में काफी इजाफा हो रहा है. बच्चों के माता-पिता कानून की परवाह न करते हुए अपने नाबालिग बच्चों को बगैर लाइसेंस वाहन चलाने दे रहे है. बच्चे बगैर लाइसेंस व नाबालिग होने को नजरअंदाज कर जाते है.

इस पर गर्व महसूस करते है, लेकिन वह अपने कर्तव्य व जिम्मेदारी से भूल जाते है कि नाबालिग बच्चों से वाहन चलाते समय दुर्घटना होंगी तो जिसके नाम पर वाहन होगा उस पर कार्रवाई होंगी. इस प्रकार से होने वाली दुर्घटनाओं को रोक कर सबक दिलाने पुलिस निरीक्षक अमित वानखेडे ने रानी अवंतीबाई चौक पर धरपकड़ शुरू की. जिससे बगैर लाइसेंस के कम उम्र के चालक व तीन सीट वाहन चालकों को पकड़कर उनसे दंड वसूल किया.

सूखे कुएं में गिरे भालू को जीवनदान

गोंदिया-नवेगांवबांध वन परिक्षेत्र कार्यालय अंतर्गत सहवन क्षेत्र कार्यालय डव्वा बीट के पलसगांव में बाबूलाल जांभुलकर के खेत में एक सूखे कुएं में एक भालू का बच्चा गिर गया. वन विभाग उसे रेस्क्यू कर बाहर निकालने में कामयाब रहा. यह घटना रविवार की रात के समय की है. डव्वा क्षेत्र घने जंगलों वाला है और यहां बड़ी संख्या में वन्यजीव है. इसी दौरान भालू का बच्चा कुएं में गिर गया. वन विभाग उसे सफलतापूर्वक बचाने में कामयाब रहा.

संपादकिय...

डाक्टर - भगवान या दुकानदार

एक जुलाई को 'डॉक्टर दिवस' था। ये दिवस कौन तय करता है अथवा यह भी धंधे की एक रणनीति है, हम नहीं जानते, लेकिन भारत में आम धारणा है कि डॉक्टर 'भगवान का ही रूप' है। भगवान तो अतिशयोक्ति है, हम 'जीवनदाता' तो मान सकते हैं। जब इनसान की आखिरी सांस भी उखडने् लगती है और सामने मौत की छाया महसूस होने लगती है, तब एक डॉक्टर का जज्बा और जिद उस जिंदगी को बचाते हैं। जिस महिला की कोख नौ बार उजड़ चुकी हो, उस गरीब और असहाय महिला का इलाज डॉक्टर ने अपने संसाधनों के बूते किया और उस महिला के आंगन में बेटी की किलकारियां गूंजीं। एक शिशु जन्म के बाद रोया नहीं और निमोनिया का भी शिकार हो गया। उसकी सांस और आहार नलियों में भी विसंगतियां थीं। सांस धौंकनी की तरह चलने लगती थी। एक डॉक्टर ने ही ऑपरेशन किए और आज ऐसे बच्चे 'युवा' हो चुके हैं। नई जिंदगी देने के ऐसे असंख्य उदाहरण हैं। बेशक डॉक्टर की पढ़ाई और प्रशिक्षण ऐसे हैं कि वे 'जीवनदाता' साबित होते रहे हैं, लेकिन यह भी कल्पना करें कि जिन जिंदगियों को अस्पताल में उपचार नहीं मिला और न ही ऐसा 'जीवनदाता' मिल पाया, उनके लिए तो मौत एक भयानक यथार्थ है। 'रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया' ने बीती 10 मई को एक 'सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम' (एसआरएस) के जरिए सर्वेक्षण कराया था। उसके स्वास्थ्य और जनसंख्या संबंधित निष्कर्ष और आंकड़े बेहद डरावने हैं। हालांकि यह सर्वेक्षण 2024 के आंकड़ों पर आधारित था, फिर भी उसके निष्कर्ष भयावह हैं। डॉक्टरी या अस्पताल की सहायता नहीं मिल पाने के कारण मौतों का डाटा दोगुना से अधिक हो गया है। 2020 तक ऐसी मौतों का अनुपात 18 फीसदी था, लेकिन 2024 में यह आंकड़ा बढ़ कर 45.05 फीसदी हो गया है। बिहार, झारखंड और छत्तीसगढ़ में यह आंकड़ा 60 फीसदी को भी पार कर चुका था। केरल में यह आंकड़ा 26.08 फीसदी था, जो पुराने राष्ट्रीय औसत 18 फीसदी से भी अधिक है। यह कैसा देश है? ये मौतें इलाज के बिना हो रही हैं, जो बेहद त्रासद है। यह स्थिति तब है, जब मोदी सरकार की 'आयुष्मान भारत' योजना लगभग देश भर में लागू है और उसे दुनिया की सबसे बड़ी और व्यापक स्वास्थ्य बीमा योजना के तौर पर प्रचारित किया जाता रहा है। दरअसल 'आयुष्मान भारत' एक अर्द्धसत्य है, जिसे वे जानते होंगे, जो उस कार्ड के धारक हैं। यह कार्ड सिर्फ ऑपरेशन, शरीर की चीरा-फाड़ी, में ही प्रभावी है। यदि आप रूटीन की, पुरानी बीमारियों के संदर्भ में, किसी डॉक्टर की सलाह लेना चाहते हैं, तो आपको उसकी महंगी फीस अदा करनी पड़ेगी। दवाओं का खर्च अलगज! यहां सवाल है कि भारत में इतनी मौतें क्यों हो रही हैं? क्योंकि अस्पताल और डॉक्टर आम आदमी को उपलब्ध नहीं हैं। वे इतने महंगे, लालची, जेबकाटू और दुकानदार किस्म के हो गए हैं कि औसत गरीब इनका इलाज वहन नहीं कर सकता। अस्पताल में एक बार जाएं, तो वहां एमआरआई, सीटी स्कैन, फेफड़ों और गुर्दों के टेस्ट, दिल के टेस्ट जरूर किए जाएंगे, बेशक उनकी जरूरत हो या न हो। अस्पताल बाहर कराए हुए टेस्ट को मान्यता ही नहीं देते। भारत की व्यवस्था में डॉक्टरों को 'मोटे वेतन' दिए जाते हैं और उनके कोटे तय किए जाते हैं कि आप इतने मरीजों को ऑपरेट जरूर करेंगे।

प्लास्टिक प्रदूषण की अनभिज्ञता का स्वास्थ्य समस्या में परिवर्तित भयावह रूप

अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस विशेष - 3 जुलाई 2026)

जीव और प्रकृति एक दूसरे के पूरक है, मनुष्य जीव ने अपनी बुद्धिमत्ता के बलबूते पर विकसित होकर नवनवीन खोज द्वारा सुविधाजनक भौतिक वस्तुओं का निर्माण किया। समयानुसार स्वार्थी मनुष्य की लालसा बढ़ती रहीं, फिर उसने जीवनदायिनी प्रकृति का दोहन शुरू किया। मनुष्य ने अपनी सुविधाओं, विलासिता के लिए प्रकृति को कष्ट पहुंचाया, धीरे-धीरे वहीं सुविधाएं मनुष्य के जीवन में विषैला जहर घोलने लगी। आज इतनी भयावह स्थिति है कि, हमें मारने के लिए कोई शस्त्र की आवश्यकता नहीं है, हमारे द्वारा उत्पन्न प्रदूषण, मिलावटखोरी, यांत्रिकी निर्भरता और प्रकृति की लूट ही हमें दर्दनाक बीमारी से ग्रसित करके समय से पहले ही मार रही हैं। मनुष्य ने प्लास्टिक का अत्यधिक प्रयोग किया, वहीं प्लास्टिक आज जीवसृष्टि के लिए काल बन चूका हैं। मनुष्य के स्वार्थवृत्ति की सजा संपूर्ण जीवों को भुगतनी पड़ रही हैं। यह प्लास्टिक हजार साल तक नष्ट नहीं होता है, इतना ज्यादा प्लास्टिक मतलब मनुष्य के मस्तिष्क में भी यह पहुंच चूका है, गर्भावस्था में भ्रूण के शरीर में, पशु-पक्षी, जानवर, जलचर, थलचर अर्थात प्रत्येक जीव-जंतुको में, हर किसी के शरीर में प्लास्टिक पाया जा रहा हैं। प्लास्टिक टूटकर माइक्रोप्लास्टिक के रूप में हजार साल तक पर्यावरण में घुला रहता हैं।

अनजाने में सभी प्लास्टिक खा-पी रहे है, प्लास्टिक कचरा पचाया नहीं जा सकता। अक्सर हम पशु-पक्षियों, जीवों को प्लास्टिक थैली या प्लास्टिक जाल में उलझकर जान गवांते हुए देखते हैं। प्लास्टिक को जलाने से हवा में बहुत ज़हरीली गैसें निकलती है, जमीन में प्लास्टिक धीरे-धीरे टूटता है और दुनिया भर में मीथेन उत्सर्जन का एक बड़ा कारण बनता है, जिससे स्थानीय बायोडायवर्सिटी को खतरा होता हैं। प्लास्टिक में रासायनिक और ज़हरीले पदार्थ होते है, माइक्रोप्लास्टिक और नैनोप्लास्टिक दुनिया भर में पानी की सप्लाई, खेती की मिट्टी और जीवों को दूषित करते हैं। प्लास्टिक से हार्मोनल गड़बड़ी, प्रजनन संबंधी समस्या, दिल की बीमारियों, कैंसर का गंभीर खतरा बनता हैं। ये थायराइड में गड़बड़ी पैदा करने, डायबिटीज का खतरा बढ़ाने में भी कारगर हैं। प्लास्टिक फाइबर के संपर्क में आने वाले वर्कर्स को फेफड़ों की बीमारियां हो सकती हैं। प्लास्टिक के वायु प्रदूषण के कारण ल्यूकेमिया, लिम्फोमा और सांस की बीमारियों के गंभीर ख़तरे का भी सामना करना पड़ता हैं। प्लास्टिक कचरे का योग्य निपटान और व्यवस्थापन न होने के कारण निकलनेवाली ग्रीनहाउस गैसें ग्लोबल वार्मिंग को बढाती हैं। हर साल 5.8 मिलियन टन से ज़्यादा प्लास्टिक कचरे को जलाया जाता है अर्थात पर्यावरण में विषैली गैसें छोड़ी जाती हैं।

अंतराष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस हर साल 3 जुलाई को पुरे विश्व में जनजागरूकता के लिए मनाया जाता हैं। एकल उपयोगवाली प्लास्टिक बैग से संपूर्ण पर्यावरण को होनेवाले नुकसान के प्रति जागरूकता जगाना अतिआवश्यक हैं। प्लास्टिक पर निर्भरता कम करके उसके विकल्पों के बारे में बढ़ावा देना इस दिवस का उद्देश्य हैं। भारत में हर साल लगभग 5.5 मिलियन टन सिंगल-यूज़ प्लास्टिक कचरा पैदा होता हैं। भारत में एक व्यक्ति साल में कुल मिलाकर लगभग 11 किलोग्राम प्लास्टिक का इस्तेमाल करता है, जिसमें कैरी बैग से लेकर पैक्ड सामान तक सब कुछ शामिल है, लेकिन सिर्फ़ सिंगल-यूज़ प्लास्टिक कचरे की मात्रा लगभग 4 किलोग्राम हैं। भारत में फेंके जाने वाले लगभग 9.3 मिलियन टन प्लास्टिक कचरे में से 43 प्रतिशत से ज़्यादा सिंगल-यूज़ प्लास्टिक होता हैं। लगभग 19 प्रतिशत कचरा इकट्ठा नहीं हो पाता, वो कचरा खुले में चले जाता हैं। चीन और अमेरिका के बाद, भारत दुनिया भर में तीसरा सबसे ज़्यादा सिंगल-यूज़ प्लास्टिक कचरा पैदा करने वाला देश हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने नियम लागू किए हैं फिर भी सिंगल-यूज़ प्लास्टिक पर लगी रोक का उल्लंघन किया जाता हैं। महाराष्ट्र दक्षिण एशिया में म्युनिसिपल ठोस कचरा पैदा करने वाला सबसे बड़ा राज्य बनकर उभरा हैं। केरलम समुद्री तट व पर्यटन स्थल होने के बावजूद हर साल 130,000 टन से ज़्यादा प्लास्टिक कचरा पैदा होता है, जिसमें से सिर्फ़ 3 फीसदी ही रीसायकल होता हैं। भारत में प्लास्टिक कचरा व्यवस्थापन मार्केट 2030 तक 2.33 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान हैं। प्लास्टिक कचरा उत्पादक इंडेक्सनुसार, लगभग 98 प्रतिशत सिंगल-यूज़ प्लास्टिक नए फॉसिल फ्यूल से बनता है, अर्थात बिना रीसायकल मटीरियल के बना प्लास्टिक। कुल प्लास्टिक में से एक तिहाई से ज़्यादा सिंगल-यूज़ प्लास्टिक होता है, आज प्लास्टिक हवा, पानी और हमारे शरीर में भी मौजूद हैं।

हमारे देश में लोगों में पायी जाने वाली सबसे बड़ी समस्या लापरवाही और बेफिक्री बेहद ज्यादा हैं। सौ में से दो-चार लोगों को छोड़कर बाकी सभी लोग भेड़ चाल चलने में होशियारी समझते है, किसी भी विषय के बारे में समस्त जानकारी जानने या तर्क-वितर्क सोंचे बगैर केवल खुद का स्वार्थ देखना, लोगों की हाँ में हाँ मिलाना, अनेक बार समस्त जीव सृष्टि को खतरे में डालता हैं। उदाहरण ~ कड़े नियम होने के बावजूद बैन प्लास्टिक थैलियों का मार्केट और जनसामान्य के बिच उपयोग दिख रहा हैं। बहुत बार तो दूकानदार के मना करने के बावजूद ग्राहक जबरदस्ती प्लास्टिक थैलियों की मांग करते हैं। अन्य बैन प्लास्टिक सामग्रियों की भी मांग ग्राहकों द्वारा की जाती हैं। लोग या दुकानदार भी यह नहीं सोचते कि उनकी ये गलती पुरे पृथ्वी और जीवों के लिए जानलेवा खतरा हैं। किसी ने सड़क किनारे कचरा फेंका, उसके देखा-देखी सभी वहीं कचरा फेंककर वहां बड़ा कूड़े का ढेर बना देते हैं। कूड़ा न फेंकने की समझाइश देने पर आरोपी लोग लड़ने-झगड़ने भी लगते है, बहुत बार ऐसी नोकझोंक गंभीर अपराधों में भी बदल जाती हैं।

पहले लोग बुरी आदतों या नशे के कारण गंभीर बीमारियों का शिकार होते थे, लेकिन अब प्रदूषण और लोगों की लापरवाही ने छोटे-छोटे मासूम बच्चों और निर्व्यसनी मनुष्यों को भी गंभीर रोगों का शिकार बना दिया हैं। दुग्धजन्य पशु प्लास्टिक थैली खाते है, जलचर प्राणी भी प्लास्टिक का शिकार होते है, पंछी भी प्लास्टिक खाते है, फिर भोजन में इन्ही का मांस या दूध मनुष्य के स्वास्थ्य को बीमार करता हैं। हर प्रकार के प्लास्टिक के बर्तन मार्केट में उपलब्ध है, प्लास्टिक का अत्यधिक उपयोग हो रहा है, गर्म पेय और खाद्य सामग्री के लिए भी प्लास्टिक का उपयोग तो कि सीधे कैंसर को न्योता देना हैं। फिर भी लोग नहीं सुधर रहें, जिस कारण आज देश में हर गली-मोहल्ले, रिश्तेदारों, पहचान में कैंसर के रोगी देखने मिल रहे हैं।

अगर पूरे देश को सुधारना है, तो शुरुआत खुद से करनी होंगी। कोई बाहर से हमारी मदद करने नहीं आएंगे। हर विषय पर सजग रहना होगा, खुद के फायदे से पहले पर्यावरण और समाज विकास के नजरिये को ध्यान में रखना होगा। पर्यावरण बचेगा तो ही हम स्वस्थ जी पायेंगे। प्रकृति द्वारा शुद्ध ऑक्सीज़न, जल प्रत्येक जीव के लिए मुफ्त व उस पर समान अधिकार है, लेकिन मानवीय स्वार्थ ने उसे भी दूषित कर दिया है, इस बात की गंभीरता का हमेशा ख्याल रखें। देश में हर क्षेत्र के लिए अधिक कड़े कानूनों की आवश्यकता है, चुनाव में काबिल उम्मीदवार की जीत ही देश का भविष्य बनाती है, इसलिए उम्मीदवार की योग्यता को देखकर वोट दें, अन्य कोई फायदा देखकर नहीं। भ्रष्टाचार और मिलावटखोरी ने देश को बर्बादी के कगार पर ला दिया है, कर्ज के बोझ तले देश और राज्य दब चुके हैं। सरकारी नीति-नियमों का कड़ाई से पालन होना चाहिए। सिर्फ दिखावे के लिए नाममात्र प्लास्टिक बैन है और लोगों में उसका उपयोग धड़ल्ले से चल रहा है, ऐसा नहीं होना चाहिए। लोगों के मन में कानून और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का अहसास होना चाहिए, तभी प्लास्टिक के जहर से जीवन बचा पायेंगे। अत्यावश्यक और आपातकालीन सेवाओं के अलावा प्लास्टिक का उपयोग पूर्णत बंद होना चाहिए, प्लास्टिक सुविधा के लिए है, लेकिन हमारी अनमोल जान से ज्यादा वो महत्वपूर्ण नहीं हैं।

लेखक - डॉ. प्रितम भि. गेडाम

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होल्कर किसान ऋण माफ़ी योजनाः ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति

भारत एक कृषि-प्रधान देश है और कृषि क्षेत्र देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देता है। कृषि राज्य की अर्थव्यवस्था का एक अहम हिस्सा है, जो महाराष्ट्र के अंदर और बाहर के लोगों को रोज़गार और आजीविका प्रदान करती है। इसलिए, खाद्य सुरक्षा, रोज़गार सृजन और ग्रामीण विकास में कृषि की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। हालाँकि, हाल के वर्षों में कृषि क्षेत्र को लगातार जलवायु परिवर्तन, ज़मीन और पानी की कमी, बीज और उर्वरकों की बढ़ती लागत और बाज़ार की अनिश्चितताओं जैसी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। इन समस्याओं से निपटने के लिए, राज्य सरकार कई उपाय करती है, जैसे कृषि उत्पादकता बढ़ाना, जलवायु-अनुकूल और टिकाऊ खेती को बढ़ावा देना, सिंचाई प्रणालियों और जल संरक्षण में सुधार करना और किसानों की आय बढ़ाना। इसके अलावा, आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल को बढ़ावा देने, किसान समूहों को मज़बूत करने और बाज़ार तक पहुँच बेहतर बनाने के प्रयास भी किए जा रहे हैं।

फिर भी, किसान जो हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं सालों से कई प्राकृतिक और वित्तीय संकटों से जूझ रहे हैं। सूखा, अत्यधिक बारिश और ओलावृष्टि जैसी घटनाओं के कारण फसलों को भारी नुकसान होता है। उत्पादन की बढ़ती लागत और अपनी उपज के लिए अपर्याप्त बाज़ार मूल्य के कारण, कई किसान कर्ज के जाल में फँस जाते हैं। ऐसे में, सरकार की %पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होल्कर किसान ऋण माफ़ी योजना% वित्तीय राहत का एक महत्वपूर्ण ज़रिया साबित होती है। इस योजना में बैंकों या वित्तीय संस्थानों से किसानों द्वारा लिए गए ऋणों को पूरी तरह या आंशिक रूप से माफ़ किया जाता है। सरकार का यह फ़ैसला किसानों पर कर्ज का बोझ कम करता है, उन्हें अपने कृषि कार्यों को फिर से शुरू करने का मौका देता है और उनका मानसिक तनाव कम करता है। इससे उनकी वित्तीय स्थिरता भी मज़बूत होती है। कर्ज-मुक्त होने के बाद, किसान अपनी खेती के कार्यों में निवेश करने के लिए नया फसल ऋण ले सकते हैं, जिससे उत्पादकता बढ़ती है। %पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होल्कर शेतकरी कर्जमुक्ति योजना% (किसान ऋण माफ़ी योजना) ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नई जान फूँकने के लिए तैयार है।

हालाँकि, ऋण माफ़ी किसानों के सामने आने वाली चुनौतियों का स्थायी समाधान नहीं है। कृषि क्षेत्र की बुनियादी समस्याओं को हल करने के लिए सिंचाई सुविधाओं में सुधार, फसल बीमा, भंडारण बुनियादी ढाँचे, बाज़ार तक सीधी पहुँच, आधुनिक तकनीक को अपनाना और कृषि उपज के लिए उचित गारंटीकृत मूल्य जैसे उपायों की आवश्यकता है। किसान देश के अन्नदाता हैं; कर्ज़ माफ़ी जैसी योजनाएँ किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण और खेती के पेशे को टिकाऊ बनाए रखने में अहम भूमिका निभाती हैं। फिर भी, टिकाऊ कृषि नीतियाँ और समावेशी ग्रामीण विकास ही लंबे समय की तरक्की का असली रास्ता हैं। जब किसान सशक्त होंगे, तभी देश की अर्थव्यवस्था मज़बूत होगी और ग्रामीण विकास को नई दिशा मिलेगी।

किसानों के लिए राज्य सरकार की विभिन्न योजनाएँ राज्य सरकार किसानों के कल्याण के लिए कई योजनाएँ लागू करती है। इनमें डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर कृषि स्वावलंबन योजना, बिरसा मुंडा कृषि क्रांति योजना, डॉ. पंजाबराव देशमुख ब्याज सब्सिडी योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, नमो शेतकारी महासम्मान निधि योजना और प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना शामिल हैं। ये योजनाएँ मुख्य रूप से किसानों को कई तरह की आर्थिक मदद देती हैं। इसके अलावा, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और मौसम-आधारित फल फसल बीमा योजना प्राकृतिक आपदाओं, कीटों या बीमारियों के कारण फसल या फलों के नुकसान की स्थिति में किसानों को आर्थिक सहायता देती हैं। हाल के वर्षों में न्यूनतम समर्थन मूल्य योजना और इलेक्ट्रॉनिक राष्ट्रीय कृषि बाज़ार जैसी पहल भी शुरू की गई हैं।

महाराष्ट्र में कृषि क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमालकिया जा रहा है। राज्य सरकार ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और नई तकनीकों के इस्तेमाल से कृषि क्षेत्र में बदलाव लाने के लिए %महाराष्ट्र कृषि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नीति (Maha-Agri AI) 2025-2029 शुरू की है। इस नीति के तहत, सैटेलाइट तकनीक और जियोस्पेशियल डेटा का इस्तेमाल करके किसानों के लिए फसल की स्थिति, मिट्टी की नमी और अन्य भौगोलिक कारकों का विश्लेषण करने के लिए एक सिस्टम विकसित और लागू किया जाएगा। साथ ही, कृषि उपज और खाद्य उत्पादों के व्यापार के लिए एक AI-आधारित प्लेटफ़ॉर्म भी विकसित किया जाएगा।

कर्ज़ माफ़ी~ किसानों को राहत देने का एक ज़रिया कर्ज़ माफ़ी किसानों को राहत देने का एक ज़रिया है। इस योजना के तहत ?36,585 करोड़ का कर्ज़ माफ़ किया जाएगा, जिससे लगभग 56 लाख किसानों को फ़ायदा होगा। यह राज्य में कर्ज़ माफ़ी की सबसे बड़ी पहल है। हालाँकि कर्ज़ माफ़ी कोई स्थायी समाधान नहीं है, लेकिन मुश्किलों का सामना कर रहे किसानों को राहत देने के लिए यह ज़रूरी है। राज्य सरकार कर्ज़ माफ़ी को किसानों को फिर से अपने पैरों पर खड़ा करने और उन्हें नया कर्ज़ लेने में मदद करने के लिए एक अहम साधन मानती है। सरकार ने माफ़ी से जुड़े अल्पकालिक और दीर्घकालिक उपायों, साथ ही बैंकिंग सिस्टम पर इसके असर का अध्ययन करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति नियुक्त की थी। समिति की रिपोर्ट के आधार पर कुछ खास मानदंड तय किए गए हैं।

महाराष्ट्र सरकार ने समय-समय पर कई कर्ज़ माफ़ी योजनाएँ लागू की हैं। सूखे, अत्यधिक बारिश और अन्य आपदाओं से प्रभावित किसानों की मदद के लिए अलग-अलग समय पर कर्ज़ माफ़ करने के फ़ैसले लिए गए। इन योजनाओं ने लाखों किसानों को राहत दी है और उन्हें अपने खेती के काम को फिर से शुरू करने का मौका दिया है।

अकेले कर्ज़ माफ़ी से किसानों की समस्याओं का पूरी तरह समाधान नहीं हो सकता। इसके लिए ये उपाय भी ज़रूरी होंगे

सिंचाई सुविधाओं का विस्तार। फ़सल बीमा योजनाओं का प्रभावी कार्यान्वयन। खेती में आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल ।भंडारण और प्रसंस्करण उद्योगों की स्थापना। कृषि उपज के लिए उचित और गारंटीकृत कीमतें। किसान उत्पादक कंपनियों और सहकारी समितियों को मज़बूत बनाना। कृषि शिक्षा और कौशल विकास। जलवायु परिवर्तन का सामना करने में सक्षम खेती के तरीकों को बढ़ावा देना।

कर्ज़ माफ़ी आर्थिक तंगी का सामना कर रहे किसानों के लिए एक ज़रूरी और राहत देने वाला कदम है, जो उन्हें नई शुरुआत करने का मौका देता है। इसके अलावा, इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। आने वाले समय में, टिकाऊ कृषि विकास के लिए सिंचाई, तकनीक, बाज़ार तक पहुँच, बीमा और उचित कीमतों जैसे कारकों के बीच तालमेल बहुत ज़रूरी होगा। जब किसान सशक्त होंगे, तभी देश की खाद्य सुरक्षा, ग्रामीण विकास और आर्थिक प्रगति वास्तव में मज़बूत होगी।

वर्षा फड़के-अंधाले, उप निदेशक (समाचार)
सूचना और जनसंपर्क महानिदेशालय

नियमभंग करनेवालों पर होगी कार्रवाई

रेल यात्रियों से जुर्माना वसूला

गोंदिया,- रेलवे सुरक्षा बल, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल विशेष जन-जागरूकता अभियान चला रहा है. जागरूकता अभियान के साथ साथ नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई भी की जा रही है. 28 जून को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोंदिया में 3 व नागभीड़ में 1 पुरुष यात्री को महिला आरक्षित कोच में यात्रा करते पाए जाने पर नवीन जन विश्वास (संशोधित) अधिनियम, 2026 के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए प्रत्येक से 2500 का जुर्माना वसूल किया गया. इसके पूर्व 23 व 26 जून 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट इतवारी द्वारा महाराष्ट्र एक्सप्रेस में महिला आरक्षित कोच में यात्रा कर रहे पुरुष यात्रियों के विरुद्ध भी कार्रवाई करते हुए प्रत्येक पर 2500 का जुर्माना लगाया गया था. रेलवे सुरक्षा बल द्वारा बिना टिकट यात्रा, फर्जी अथवा स्थानांतरित (ट्रांसफर) टिकट का उपयोग, भीख मांगना, अवैध बिक्री, शराब के नशे में उपद्रव करना, रेलवे कर्मचारियों के कार्य में बाधा उत्पन्न करना तथा रेलवे संपत्ति को नुकसान पहुंचाने जैसे मामलों में भी संशोधित प्रावधानों के अनुसार निरंतर कार्रवाई की जा रही है.

ओडिशा से नागपुर ले जाया जा रहा था गांजा सेंदूरवाफा टोल प्लाजा पर 245 किलोग्राम गांजा जब्त

भंडारा-जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित सेंदूरवाफा टोल प्लाजा पर मुंबई नारकोटिक्स कंट्रोल टीम और साकोली पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 245 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया. ओडिशा से नागपुर तस्करी के लिए ले जाए जा रहे इस मादक पदार्थ को आयशर ट्रक में कैरेटों के नीचे छिपाकर रखा गया था. पुलिस ने ट्रक चालक और क्लीनर को हिरासत में लेकर आगे की जांच शुरू कर दी है. प्राप्त जानकारी के अनुसार, मुंबई के नारकोटिक्स विभाग को गोपनीय सूत्रों से सूचना मिली थी कि ओडिशा के संबलपुर से आयशर ट्रक (क्र.एमएच-40-सीडी-4548) के जरिए बड़ी मात्रा में गांजे की खेप नागपुर ले जाई जा रही है. सूचना की पुष्टि होने के बाद नारकोटिक्स विभाग के अधिकारी सतीश ठाणेदार और महादेव आचरेकर के नेतृत्व में टीम ने साकोली पुलिस के सहयोग से सेंदूरवाफा टोल प्लाजा पर जाल बिछाया. सुबह करीब 10.30 बजे संदिग्ध ट्रक के पहुंचते ही कार्रवाई की गई.

जयस्तंभ चौक पर 121 फीट ऊंचा तिरंगा लगाने की मांग पार्षद लोकेश (कल्लू) यादव का नप अध्यक्ष शेंडे को ज्ञापन

गोंदिया-गोंदिया शहर के हृदयस्थल जयस्तंभ चौक पर 121 फीट ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगा) स्थापित किए जाने की मांग उठाई गई है. इस संबंध में पार्षद लोकेश (कल्लू) एस. यादव द्वारा नगर परिषद अध्यक्ष सचिन शेंडे व नप मुख्याधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया. पार्षद लोकेश यादव का कहना है कि जयस्तंभ चौक शहर का प्रमुख और ऐतिहासिक स्थल है. यहां भव्य तिरंगा स्थापित होने से शहर की सुंदरता में वृद्धि होगी तथा नागरिकों में राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान की भावना और अधिक मजबूत होगी. ज्ञापन में आग्रह किया गया है कि आगामी 15 अगस्त, स्वतंत्रता दिवस से पहले 121 फीट ऊंचे तिरंगे की स्थापना का कार्य पूर्ण किया जाए, ताकि स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर गोंदिया के नागरिकों की उपस्थिति में भव्य रूप से राष्ट्रीय ध्वज का लोकार्पण किया जा सके. लोकेश यादव ने नप प्रशासन से इस प्रस्ताव पर सकारात्मक निर्णय लेते हुए शीघ्र कार्रवाई करने की अपील की है. उनका मानना है कि जयस्तंभ चौक पर विशाल तिरंगा स्थापित होने से यह स्थान शहर की नई पहचान बनेगा और नागरिकों के लिए प्रेरणा का केंद्र भी सिद्ध होगा.

नाबालिग से दुष्कर्म, मई में घर से गायब हुई थी लड़की बयान दर्ज दुष्कर्म में लॉज संचालक सहित 3 गिरफ्तार

गोंदिया-अर्जुनी मोरगांव तहसील में एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और पोस्को के तहत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया. इसमें तावशी ग्राम पंचायत क्षेत्र के वंश लॉज के संचालक भी शामिल है. तीनों आरोपियों को 25 जून को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है. प्राप्त जानकारी के अनुसार, अर्जुनी मोरगांव तहसील के एक गांव की नाबालिग लड़की 6 मई को परिवार वालों को बिना कुछ बताए घर से चली गई थी. जैसे ही परिवार के सदस्यों को एहसास हुआ कि लड़की घर पर नहीं है, उन्होंने लड़की की सहेली से पूछताछ की और आसपास के रिश्तेदारों के यहां भी उसकी तलाश की. लेकिन लड़की का कहीं पता नहीं चला. 28 मई को अर्जुनी मोरगांव पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी कि लड़की 22 दिन से घर से लापता है. शिकायत मिलते पुलिस ने नाबालिग लड़की की तलाश में अभियान चलाया. 18 जून को पुलिस मोबाइल फोन से लोकेशन लेकर नांदेड़ जिले के गणेश मनोहर विविधकर (22) के साथ मौजूद नाबालिग लड़की को हिरासत में लेने में कामयाबी हासिल की. पुलिस द्वारा गहन जांच के बाद तावशी ग्राम पंचायत की सीमा में आने वाले वंश लॉज के चालक विलास सोपान रणदिवे (52) को भी विभिन्न धाराओं के तहत 25 जून को गिरफ्तार किया गया.

नाबालिग लड़की द्वारा न्यायालय में दिए गए बयान से पता चला कि अप्रैल 2025 में वंश लॉज में संदीप मेश्राम नाम के युवक से उसका रिश्ता बना था. विलास सोपान रणदिवे को 25 जून को इस आरोप में गिरफ्तार किया गया था कि उक्त लॉज संचालक ने आरोपी को उपरोक्त कृत्य करने में मदद की थी. इस मामले में घर से भागी एक नाबालिग लड़की नांदेड़ जिले में मिली. जब पुलिस ने नाबालिग लड़की से पूछताछ की तो उसने बताया कि उसके साथ दुष्कर्म हुआ है.

आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

नांदेड़ जिले के गणेश मनोहर विविधकर को 18 जून को एक नाबालिग लड़की के बयान पर पोस्को अधिनियम के तहत विभिन्न धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया, एक नाबालिग लड़की को बहला फुसलाकर अत्याचार करने के आरोप में गणेश विविधकर, संदीप मेश्राम, विलास रणदिवे के खिलाफ अर्जुनी मोरगांव थाने में मामला दर्ज किया गया. तीनों आरोपियों को 25 जून को न्यायालय में पेश किया गया और 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया. जांच पुलिस निरीक्षक कमलेश सोनटक्के के मार्गदर्शन में महिला पुलिस उपनिरीक्षक अश्विनी कदम कर रही है.

बच्चों की धमाचौकड़ी से गुलजार हुए स्कूल भेंडारकर की उपस्थिति में शाला प्रवेशोत्सव उत्साह से मनाया

गोंदिया-जिले में 30 जून से शैक्षणिक सत्र 2026-27 की शुरुआत उत्साहपूर्वक वातावरण में हुई. इस दौरान जिप अध्यक्ष लायकराम भेंडारकर की मुख्य उपस्थिति में जिप प्राथमिक स्कूल इंजोरी, जिप प्राथमिक स्कूल और जिप हाईस्कूल बोंडगांव देवी, जिप वरिष्ठ प्राथमिक स्कूल मोरगांव अर्जुनी, अरततोंडी, पिंपलगांव, खांबी में नए विद्यार्थियों का शाला प्रवेशोत्सव बड़े जोश के साथ किया गया. स्कूल के पहले दिन नए प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों व पालकों को भी बुके देकर सम्मानित किया गया. विद्यार्थियों के चेहरों पर खुशी, उत्सुकता और एक नए शैक्षणिक सफर की चाहत देखकर पूरे इलाके में उत्साह का माहौल बन गया. बच्चों की धमाचौकड़ी से स्कूल एक बार फिर नये शैक्षणिक सत्र का स्वागत करते हुएं गुलजार हो उठे.

शालेय सामग्री का वितरण

कार्यक्रम के दौरान जिप अयक्ष भेंडारकर ने स्कूल के पहले दिन विद्यार्थियों को स्कूल बैग, टेक्स्टबुक और अलग-अलग स्कूल सामग्रियों का वितरण किया. विद्यार्थी अपने हाथों में नई शैक्षणिक सामग्री पाकर बहुत खुश हुए. पालकों ने भी इस उपक्रम पर खुशी जताई और जिप प्रशासन का आभार माना. इस दौरान अध्यक्ष भेंडारकर ने कहा कि शिक्षा ही जीवन में सफलता का सबसे प्रभावी साधन है. हर विद्यार्थी कड़ी मेहनत, अनुशासन और समर्पण से अपने सपने को पूरा करें. शिक्षा के साथ-साथ खेल, कला, संस्कृति और नैतिक मुल्यों को भी अपनाना जरूरी है. गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए, शिक्षक, पालक और समाज इन तीनों घटकों को मिलकर काम करने की जरूरत है. उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि जिप के माध्यम से हर विद्यार्थी को अच्छी शिक्षा देने की लगातार कोशिश की जाएगी. उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए शाला व्यवस्थापन समिति, मुख्याध्यापक, शिक्षक और सभी संबंधितों की सराहना की. कार्यक्रम में जिप सदस्य, पंस सदस्य, सरपंच, स्थानीय अधिकारी, शाला व्यवस्थापन समिति के सदस्य, गुट शिक्षाधिकारी, विस्तार अधिकारी, केंद्र प्रमुख, शिक्षक, विद्यार्थी और बड़ी संख्या में पालकगण व ग्रामवासी उपस्थित थे.

रैली निकालकर शिक्षा का संदेश

प्रवेशोत्सव के मौके पर विद्यार्थियों में शिक्षा के प्रति जागरूकता लाने के लिए गांव से एक बड़ी शैक्षणिक रैली निकाली गई. हर बच्चा स्कूल में, हर बच्चा पढ़ाई में का संदेश देते हुए विद्यार्थियों ने अलग-अलग नारों के जरिए लोगों को शिक्षा की अहमियत बताई. इस रैली को पालकगण, ग्रामवासी और स्थानीय लोगों का अच्छा प्रतिसाद मिला.

तेल का दोबारा इस्तेमाल खतरनाक

भंडारा-कई होटलों एवं सड़क किनारे सजी समोसा कचोरी एवं अन्य दुकानें जिसमें खाद्य तेल का इस्तेमाल होता है. ज्यादातर मामले में कड़ाही में खाना तलने के लिए बार-बार इस्तेमाल किया जाता है. यह नागरिकों के जीवन के साथ एक खेल है. हैरानी की बात है कि बार-बार तेल का इस्तेमाल करने वाले होटल एवं रेस्टोरेंट संचालकों के खिलाफ खाद्य प्रशासन कार्रवाई नहीं करता. वर्तमान में, इस प्रकार को ओर अधिक बढ़ा दिया गया है. शहर के चौराहों पर फास्ट फूड एवं जंक फूड के स्टॉल हैं. इस ओर प्रशासन को ध्यान देने की जरूरत है.

कारगिल युद्ध में एक पैर गंवाने के बाद भी जज्बे के साथ पंढरी की राह पर निकले भरी बारिश में साइकिल से पंढरपुर रवाना हुए

गोंदिया-गोंदिया में आधी रात से हो रही बारिश की परवाह किए बिना गोंदिया शहर के संडे साइकिलिंग ग्रुप के साइकिल वीरों ने 1 जुलाई को सुबह पंढरपुर के लिए प्रस्थान किया। चार वीर गोंदिया से भगवान विठ्ठल के दर्शन के लिए और जिले की भलाई के लिए निकल पड़े हैं। जिसमें नगराध्यक्ष सचिन शेंडे, कारगिल युद्ध में एक पैर गंवाने वाले पूर्व सैनिक उदयभान निर्माण, घनश्याम उइके और मनोज बिसेन का समावेश है। गोंदिया और भंडारा के सर्वांगीण विकास और धान की भरपूर फसल हो, इसके लिए भगवान विठ्ठल के चरणों में प्रार्थना करना इस वारी का मुख्य उद्देश्य है। सुबह से ही बारिश जारी रहने के बावजूद यह साइकिल सवार डिगे नहीं। यात्रा शुरू करने से पहले उन्होंने गोंदिया शहर में महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर नमन किया। छत्रपति शिवाजी महाराज, महात्मा गांधी की प्रतिमाओं के सामने नतमस्तक होकर वारी का शुभारंभ किया। इस साइकिल यात्रा की सबसे प्रेरणादायक बात कारगिल योद्धा उदयभान निर्माण की भागीदारी है। 1999 के कारगिल युद्ध में एक पैर गंवाने के बाद भी देशभक्ति और जज्बे के साथ पंढरी की राह पर निकले हैं। उनका हौसला देखकर नागरिकों की आंखें नम हो गईं। नगराध्यक्ष सचिन शेंडे ने कहा कि गोंदिया-भंडारा धान के जिले के रूप में जाना जाता है। यहां का किसान सूखी हो, फसल को भाव मिले और जिले का सर्वांगीण विकास हो, इसके इसके लिए हम प्रार्थना करेंगे। इसके साथ ही %साइकिल चलाओ, पर्यावरण बचाओ, ईंधन बचाओ, देश बचाओ% का पर्यावरण-अनुकूल संदेश भी हम रास्ते में हर गांव में देंगे। गोंदिया से पंढरपुर का करीब 800 किमी का कठिन सफर यह साइकिल सवार अगले 4 से 5 दिनों में पूरा करेंगे। बारिश, धूप-हवा में दिन-रात सफर करते हुए वे महाराष्ट्र की वारी परंपरा को निभाएंगे।

टाटा-इतवारी एक्सप्रेस के एसी कोच में 1.56 लाख की चोरी के मामले पर हिस्ट्रीशीटर आरोपी गिरफ्तार

गोंदिया-दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल के मंडल सुरक्षा आयुक्त चेतन जिचकार के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में रेलवे सुरक्षा बल द्वारा ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के अंतर्गत रेलगाड़ियों एवं रेल परिसरों में यात्रियों के सामान की सुरक्षा तथा चोरी की घटनाओं की रोकथाम हेतु विशेष अभियान निरंतर चलाया जा रहा है. इसी क्रम में 30 जून 2026 को रेल मदद शिकायत एवं जीआरपी इतवारी में दर्ज एफआईआर के आधार पर गाड़ी संख्या 18109 टाटा-इतवारी एक्सप्रेस के एसी कोच बी-2 में यात्रा कर रहे एक यात्री का लैपटॉप बैग चोरी होने की सूचना प्राप्त हुई. चोरी गए सामान में स्स्लैपटॉप, रेडमी मोबाइल फोन, घड़ी, माउस, चार्जर तथा हार्ड डिस्क सहित कुल 1,56,000 मूल्य की संपत्ति शामिल थी. मामले की गंभीरता को देखते हुए मंडल सुरक्षा आयुक्त के निर्देशन में निरीक्षक, रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट डोंगरगढ़ के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई. टीम ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों, डोजियर विश्लेषण तथा मुखबिर तंत्र के आधार पर त्वरित एवं सुनियोजित कार्रवाई करते हुए संदिग्ध व्यक्ति की पहचान की. शिकायतकर्ता से चोरी गए बैग एवं संदिग्ध की पुष्टि कराए जाने के बाद टीम ने विभिन्न एजेंसियों से समन्वय स्थापित करते हुए आरोपी की तलाश शुरू की. प्राप्त खुफिया सूचना के आधार पर निरीक्षक रेलवे सुरक्षा बल डोंगरगढ़, उप निरीक्षक रविशंकर, निरीक्षक सीआईबी भिलाई, उप निरीक्षक एस.के. वर्मा एवं अन्य स्टाफ की संयुक्त टीम ने रायपुर के महोबा बाजार, आमानाका क्षेत्र में एम्बुश वॉच लगाकर दबिश दी. कार्रवाई के दौरान आरोपी विक्की सहानी (22 वर्ष), पिता कैलाश साहनी, निवासी महोबा बाजार, आमानाका, रायपुर को उसके निवास से गिरफ्तार किया गया. आरोपी के कब्जे से चोरी गया स्स्लैपटॉप, रेडमी प्रो मोबाइल, घड़ी, माउस, मोबाइल एवं लैपटॉप चार्जर तथा हार्ड डिस्क सहित एफआईआर के अनुसार कुल 1,56,000 मूल्य की संपूर्ण चोरीशुदा संपत्ति बरामद कर ली गई. शिकायतकर्ता द्वारा मोबाइल के माध्यम से बरामद सामान की पहचान एवं पुष्टि भी की गई. आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड खंगालने पर आईसीजेएस पोर्टल के माध्यम से यह तथ्य सामने आया कि वह एक हिस्ट्रीशीटर अपराधी है, जिसके विरुद्ध पूर्व में दो आपराधिक मामले तथा रेल संपत्ति (अवैध कब्जा) अधिनियम के अंतर्गत एक प्रकरण दर्ज है. वह पूर्व में रायपुर एवं बिलासपुर केंद्रीय जेल में विभिन्न मामलों में सजा भी काट चुका है. गिरफ्तार आरोपी एवं बरामद संपत्ति को अग्रिम वैधानिक कार्रवाई हेतु जीआरपी थाना डोंगरगढ़ को सुपुर्द किया गया. इस संबंध में जीआरपी थाना डोंगरगढ़ में अपराध क्रमांक 18/2026, धारा 305(सी) भारतीय न्याय संहिता (BNS) के अंतर्गत दिनांक 1 जुलाई 2026 को आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर मामले की जांच जारी है.

विद्यार्थियों के भविष्य के साथ किया जा रहा खिलवाड़ कांग्रेस ने की केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग

गोंदिया-जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से शासकीय विश्रामगृह में 1 जुलाई को जिला कांग्रेस ने नीट पेपर लीक मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से तत्काल अपने पद से इस्तीफा देने की मांग की। साथ ही इस्तीफा नहीं दिए जाने पर देश के साथ ही जिले में भी आंदोलन तीव्र करने की चेतावनी दी। पत्र परिषद में नीट परीक्षा देने वाले कुछ विद्यार्थी भी उपस्थित थे। जिला कांग्रेस अध्यक्ष अमर वराडे ने कहा कि नीट एवं जेईई जैसी परीक्षाओं के पेपर लीक होने के कारण देशभर में लाखों विद्यार्थियों को मानसिक एवं आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ा है। इससे अनेक विद्यार्थियों का मनोबल गिरा, जिसके चलते सुनहरे भविष्य का सपना देख रहे कुछ विद्यार्थियों ने आत्महत्या भी कर ली है। इसके लिए सीधे तौर पर केंद्र सरकार जिम्मेदार है। यह कोई सामान्य अपराध नहीं बल्कि विद्यार्थियों एवं परीक्षार्थियों के भविष्य के साथ बड़ा खिलवाड़ है। जिसे किसी भी कीमत पर सहन नहीं किया जाएगा। पत्र परिषद में कांग्रेस नेता विनोद जैन, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव पी.जी. कटरे, जिला एनएसयुआई के अध्यक्ष अमन तिगाला, तहसील कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रमेश अंबुले, मनिष मेश्राम, जहीर अहमद, डेमेंद्र रहांगडाले, जीवन शरणागत, जितेंद्र कटरे, चमन बिसेन, महेंद्र कठाने, रंजीत गणवीर, निकेश मिश्रा, झामसिंह बघेले, मुन्ना अवस्थी, देवकांत बहेकार उपस्थित थे।

गोंदिया पुलिस बल में बड़ा बदलाव 17 पुलिस निरीक्षकों के किए गए तबादले

गोंदिया-गोंदिया जिला पुलिस बल में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल हुआ है और पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे ने जिले के भीतर 17 पुलिस निरीक्षकों, सहायक पुलिस निरीक्षकों और पुलिस उपनिरीक्षकों के स्थानांतरण के आदेश जारी किए हैं. स्थानांतरण प्रक्रिया महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम, 1951 की धारा 22 (एन) के तहत जिला स्थापना बोर्ड की सिफारिश पर की गई. गोंदिया ग्रामीण थाने के पुलिस निरीक्षक रेवचंद खुशाल सिंगनजुडे को स्थानीय अपराध शाखा (एलसीबी) के प्रभारी अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है. रामनगर थाने के प्रवीण बोरकुटे को गोंदिया शहर, रावनवाड़ी के वैभव पवार को गोंदिया ग्रामीण, आमगांव के तिरूपति राणे को रामनगर, दवनीवाड़ा की वैशाली ढाले को गोरेगांव, डुग्गीपार थाने के गणेश कृष्णा वनारे को देवरी थाने का थानेदार नियुक्त किया गया है. उम्मीद है कि इनकी नियुक्ति से देवरी थाने के काम को नई दिशा मिलेगी. पुलिस अधीक्षक ने सभी स्थानांतरित अधिकारियों को तत्काल नये स्थान पर नियुक्त होकर अपनी रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है.

तबीयत बिगडने से अज्ञात की मौत

गोंदिया- शहर थाने के तहत एक 55 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति की तबीयत बिगड़ने से उसे उपचार के लिए केटीएस जिला सामान्य अस्पताल में भर्ती किया गया. जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई. फिर्यादी डा. सत्यम की शिकायत पर शहर पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया है.

नकद सहित 50,300 रु. का माल चोरी

गोंदिया-शहर थाने के तहत शास्त्री वार्ड निवासी फिर्यादी रियाजुल कबीर सिद्दीकी (70) के दरवाजे का ताला तोड़कर अज्ञात व्यक्ति ने 5000 रु. नकद व 31,500 रु. के चांदी के आभूषण व फिर्यादी के घर के पीछे गली में रहने वाले मनोज लांजेवार के घर से 7, 800 रु. के आभूषण व नकद ऐसे कुल 50 हजार 300 रु. का माल उड़ा लिया. फिर्यादी की शिकायत पर शहर पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार दीपक रहांगडाले कर रहे हैं.

नागपुर पैटर्न पर गोंदिया में बनेगा चौरास्तों को जोड़ने वाला एलिवेटेड सर्कल फ्लाईओवर ब्रिज -विधायक विनोद अग्रवाल

1000 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों को मिली मंजूरी

बुलंद गोंदिया-गोंदिया शहर को सर्वसुविधायुक्त, आधुनिक और विकसित बनाने के उद्देश्य से विधायक विनोद अग्रवाल लगातार प्रयासरत हैं। इसी क्रम में शासन द्वारा उनकी विभिन्न मांगों पर करीब 1000 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों को मंजूरी प्रदान की गई है, जिससे जिले को बड़ी विकासात्मक सौगात मिली है।

विधायक विनोद अग्रवाल ने बढ़ते शहरी यातायात को नियंत्रित करने व दुर्घटनाओं को रोकने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से बालाघाट टी-पॉइंट से कुड़वा स्थित साईं बाबा राइस मिल तक लगभग 3 किलोमीटर लंबे फ्लाईओवर ब्रिज निर्माण की मांग की थी। इस मांग पर केंद्रीय मंत्री गडकरी ने बालाघाट टी-पॉइंट से कुड़वा तक प्रस्तावित लगभग 3 किलोमीटर लंबे (अनुमानित लागत 450 करोड़) फ्लाईओवर ब्रिज निर्माण कार्य को भी मंजूरी प्रदान कर दी गई है। वर्तमान में इस परियोजना का डीपीआर (विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन) तैयार किया जा रहा है। इसके साथ ही पिछले 4 वर्षों से रावणवाड़ी-कामठा-आमगांव मार्ग को हाईवे स्वरूप विकसित करने की विधायक विनोद की मांग पर शासन ने 29 किमी लंबे रावणवाड़ी-कामठा-आमगांव हाईवे परियोजना के लिए 290 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। गोंदिया में बनने वाला यह फ्लाईओवर नागपुर के एलिवेटेड रोटरी ब्रिज मॉडल पर आधारित होगा। यह एलिवेटेड सर्कल फ्लाईओवर शहर के प्रमुख चौराहों और मार्गों को ऊपरी स्तर पर जोड़ने का कार्य करेगा। प्रस्तावित संरचना के माध्यम से बालाघाट टी-पॉइंट पर इस फ्लाईओवर में एलिवेटेड सर्कल (गोलाकार डिजाइन) बनाया जायेगा, जहां से कुड़वा, कलेक्टर कार्यालय रोड, नागरा रोड, हड्डीटोली ब्रिज तथा मरारटोली ब्रिज मार्ग आपस में जुड़ेंगे।

उन्होंने बताया कि शहर में लगातार बढ़ते यातायात दबाव और प्रमुख चौराहों पर बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए इस उड़ानपुल का निर्माण समय की आवश्यकता बन चुका है। इसके निर्माण के बाद दासगांव मार्ग के यातायात को भी वैकल्पिक बायपास कनेक्टिविटी उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे शहर के भीतर यातायात का दबाव कम होगा। इसके अतिरिक्त पिछले 27 वर्षों से लंबित जिला कारागृह निर्माण को भी शासन की स्वीकृति प्राप्त हो गई है। सरकार ने जिला जेल निर्माण के लिए 218 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। प्रस्तावित जिला जेल कारंजा स्थित पुलिस मुख्यालय के समीप बनाई जाएगी। वहीं फुलचुर स्थित शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) को आधुनिक एवं संसाधनयुक्त बनाने के लिए नई इमारत निर्माण हेतु 116 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है। इससे तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। विधायक अग्रवाल ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार के सहयोग से गोंदिया विधानसभा क्षेत्र में तेजी से विकास कार्यों को गति मिल रही है और आने वाले समय में जिले का स्वरूप बदलता दिखाई देगा। उन्होंने इन परियोजनाओं को मंजूरी देने के लिए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, सार्वजनिक लोकनिर्माण मंत्री शिवेन्द्र राजे भोसले एवं कौशल्य विकास मंत्री मंगलप्रताप लोढा का आभार व्यक्त किया।

गोंदिया ज़िले में ऋण माफ़ी योजना को गति देने ज़िला-स्तरीय समिति का गठन

बुलंद गोंदिया। गोंदिया ज़िले में पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होल्कर ऋण माफ़ी योजना% का लाभ किसानों को पारदर्शी, आसान और समय पर मिले, यह सुनिश्चित करने के लिए ज़िलाधिकारी की अध्यक्षता में एक ज़िला-स्तरीय समिति का गठन किया गया है। प्रशासन ने कहा है कि यह समिति योजना को लागू करने की प्रक्रिया में तेज़ी और अनुशासन लाएगी। इस समिति में ज़िला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, ज़िला केंद्रीय सहकारी बैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, ज़िला लीड बैंक मैनेजर और कमर्शियल बैंकों के ज़िला समन्वयक सदस्य के तौर पर शामिल होंगे। सहकारी समितियों की ज़िला उप-पंजीयक अर्चना मालवे सदस्य-सचिव के रूप में काम करेंगी और समिति के कामकाज की देखरेख करेंगी। योजना को लागू करने पर विशेष ध्यान- यह समिति ऋण माफ़ी योजना को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए अलग-अलग स्तरों पर प्रयासों में तालमेल बिठाएगी। पात्र लाभार्थियों की सूची प्रकाशित करने, अपात्र मामलों की जानकारी पोर्टल पर अपलोड करने और आधार से लिंक न होने वाले ऋण खातों की जानकारी जारी करने पर विशेष ज़ोर दिया जाएगा। किसानों के लिए विशेष पहल- किसानों के एग्रीस्टैक पंजीकरण और आधार प्रमाणीकरण को आसान बनाने के लिए विशेष कैंप लगाए जाएंगे। साथ ही, योजना के बारे में बड़े पैमाने पर जागरूकता फैलाकर ज़्यादा से ज़्यादा किसानों तक पहुँचने की कोशिश की जाएगी ।शिकायत निवारण और पारदर्शिता- समिति की मुख्य ज़िम्मेदारियों में किसानों की शिकायतों का तुरंत समाधान करना, बैंकों और संबंधित विभागों के बीच तालमेल बनाए रखना और पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करना शामिल है।

किसानों को राहत

इस समिति के गठन से ऋण माफ़ी की प्रक्रिया तेज़ होगी और किसानों को राहत मिलेगी। प्रशासन यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि किसानों को बिना किसी रुकावट के योजना का लाभ मिले, और योजना पूरी तरह लागू होने तक यह समिति काम करती रहेगी।

सूखे से राहत के लिए इटियाडोह मुख्य नहर में पानी छोड़ा गया सिंचाई पर रोक; नियमों का उल्लंघन करने होंगी कार्यवाही

बुलंद गोंदिया। (अर्जुनी मोरगांव)- तहसील में सूखे और पानी की कमी को देखते हुए, और कार्यकारी अभियंता व उपविभागीय अभियंता के निर्देशों के बाद, पीने के पानी की ज़रूरतें पूरी करने के लिए पानी की कमी वाली योजना के तहत इटियाडोह की मुख्य नहर में पानी छोड़ा गया है।

यह पानी सिर्फ़ पीने के लिए उपलब्ध कराया गया है और खेती-बाड़ी या सिंचाई के लिए इसका इस्तेमाल करना पूरी तरह मना है। इसलिए, सिंचाई विभाग ने सभी किसानों और नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी हालत में नहर में छोड़े गए पानी का इस्तेमाल सिंचाई के लिए न करें।

विभाग ने साफ़ किया है कि चूंकि यह पानी सिर्फ़ पीने के लिए है, इसलिए नहर के सभी आउटलेट और इलेक्ट्रिक पंप बंद रहने चाहिए, और लोगों को पानी की बर्बादी से बचकर प्रशासन का सहयोग करना चाहिए।

इसके अलावा, सिंचाई विभाग ने चेतावनी दी है कि अगर कोई सिंचाई के लिए नहर से बिना इजाज़त पानी निकालते हुए पाया गया, तो नियमों के मुताबिक उसके ख़िलाफ़ सज़ा वाली कार्रवाई की जाएगी।

इटियाडोह सिंचाई प्रबंधन विभाग ने नागरिकों और किसानों से प्रशासन के निर्देशों का सख्ती से पालन करने और उपलब्ध पानी का इस्तेमाल सिर्फ़ पीने के मकसद से करने की अपील की है।

ऑल इंडिया शतरंज चैम्पियनशिप 4 से

गोंदिया-गोंदिया डिस्ट्रीक्ट चेस के संयुक्त तत्वावधान में 4 जुलाई से समाजसेवी स्व. रमेश विनायकराव कोतवाल स्मृति ऑल इंडिया रेपिड फिडरेटेड टुर्नामेंट का दो दिवसीय आयोजन भवभूति रंगमंदिर, पुनाटोली में किया जाएगा. प्रतियोगीता में पचास हजार के नगदी पुरस्कार, ट्रॉफी, मेडल, सर्टिफिकेट प्रदान किए जाएंगे. प्रथम पुरस्कार 21 हजार रु., द्वितीय 11 हजार रु., तृतीय 5 हजार रु., चतुर्थ 3 हजार रु. पांच से दस नंबर तक एक हजार रु. सिनीयर सिटीजन व महिला खिलाड़ी प्रत्येक को एक हजार रु. पुरस्कार दिया जाएगा. 7 वर्ष, 9 वर्ष, 11 वर्ष, 13 वर्ष आयु वर्ग में मेडल्स दिये जाएंगे. प्रतियोगीता में देश के विभिन्न राज्यों से प्रमुख खिलाड़ी भाग लेंगे. उद्घाटन 4 जुलाई को सुबह सुबह 9.30 बजे भवभूति रंग मंदिर में होगा. पुरस्कार वितरण 5 जुलाई को दोपहर 3.30 बजे होगा. खिलाड़ी, पालक वर्ग व खेलप्रेमी नागरिकों से उपस्थिति का आव्हान आयोजन समिति के डॉ. नितीन कोतवाल अध्यक्ष, मुकेश बाराई सचिव, दिलीप जैन संरक्षक, जिला शतरज एसोसिएशन, डॉ. कोलते अध्यक्ष विदर्भसाहित्य संघ व सभी पदाधिकारियों द्वारा किया गया है.

अंधाधुंध वाहन दौड़ा रहे शराबी चालक पर दंड

गोंदिया-भंडारा जिले के पलसगांव निवासी जयेश जगदीश डुंबरे (34) शराब के नशे में कार चलाकर अपनी और दूसरे वाहन चालकों की जान खतरे में डाल रहा था. हाईवे पुलिस ने कार्रवाई कर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है. महामार्ग पुलिस केंद्र डोंगरगांव के पुलिस उपनिरीक्षक अनेश राठौड़ मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई के लिए टीम के साथ हाईवे पर गश्त कर रहे थे. तभी गोंदिया-कोहमारा राष्ट्रीय राजमार्ग क्र. 753 पर कोहमारा मोड़ के पास उन्होंने देखा कि कार क्र. एमएच 36 एएल 2495 तेज गति से चलती दिखाई दी. इस मामले में चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. शराब पीकर वाहन चलाना एक गंभीर अपराध है.

जिप अध्यक्ष लायकराम भेंडारकर की उपस्थिति में शाला प्रवेश उत्सव

गोंदिया-गोंदिया जिले में शैक्षणिक वर्ष 2026-27 मंगलवार से उत्साहपूर्ण माहौल में प्रारंभ हुआ. इस अवसर पर जिला परिषद अध्यक्ष लायकराम भेंडारकर की उपस्थिति में जिला परिषद प्राथमिक विद्यालय इंजोरी, जिला परिषद प्राथमिक विद्यालय और जिला परिषद उच्च विद्यालय बोंडगांवदेवी, जिला परिषद वरिष्ठ प्राथमिक विद्यालय मोरगांव अर्जुनी, अर्जुनी मोरगांव, अरततोंडी, पिंपलगांव, खांबी में नए विद्यार्थियों का शाला प्रवेशोत्सव बड़े उत्साह के साथ संपन्न हुआ. स्कूल के पहले दिन नवप्रवेशित विद्यार्थियों का फूलों के पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया. विद्यार्थियों के साथ उनके अभिभावकों को भी पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया. छात्र-छात्राओं के चेहरे पर नई शैक्षणिक यात्रा की खुशी, जिज्ञासा एवं उत्सुकता देखकर पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल बन गया. प्रवेश उत्सव के अवसर पर विद्यार्थियों में शिक्षा के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए गांव में एक भव्य शैक्षणिक रैली का आयोजन किया गया. इस रैली को अभिभावकों, ग्रामीणों और स्थानीय नागरिकों से प्रतिसाद मिला. कार्यक्रम के दौरान जिला परिषद अध्यक्ष लायकराम भेंडारकर ने स्कूल के पहले दिन विद्यार्थियों को स्कूल बैग, पाठ्यपुस्तकें और विभिन्न पाठ्य सामग्री वितरित कीं. जैसे ही नई शिक्षण सामग्री विद्यार्थियों के हाथ में आई, उनकी खुशी बढ़ गई. अभिभावकों ने भी इस पहल पर संतोष जताया और जिला परिषद प्रशासन को आभार माना. इस अवसर पर छात्रों का मार्गदर्शन करते हुए भेंडारकर ने कहा, जीवन में सफलता के लिए शिक्षा सबसे प्रभावी उपकरण है. प्रत्येक छात्र को कड़ी मेहनत, अनुशासन और समर्पण के बल पर अपने सपनों को पूरा करना चाहिए. शिक्षा के साथ-साथ खेल, कला, संस्कृति और नैतिक मूल्यों को भी अपनाना चाहिए. गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए शिक्षकों, अभिभावकों और समाज को मिलकर काम करने की जरूरत है. उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि जिला परिषद के माध्यम से प्रत्येक छात्र को गुणवत्तापूर्ण एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास किये जाएंगे. उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए शाला व्यवस्थापन समिति, प्राचार्य, शिक्षकों का आभार व्यक्त किया.

महेश नवमी पर भव्य शोभायात्रा,रक्तदान व विभिन्न कार्यक्रमो के साथ अर्जुनी मोरगाव माहेश्वरी समाज का महोत्सव संपन्न

बुलंद गोंदिया। अर्जुनी मोरगांव तहसील के माहेश्वरी समाज द्वारा अर्जुनी मोरगांव में महेश नवमी के अवसर पर भव्य शोभायात्रा व तीन दिवसीय कार्यक्रम में रक्तदान वह विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर भव्य रूप से मनाया। गौरतलब है की प्रतिवर्ष अनुसार अर्जुनी मोरगांव तहसील के माहेश्वरी समाज द्वारा महेश नवमी पर्व का आयोजन भव्य रूप से आयोजित किया गया जिसमें भगवान शिव पार्वती की भव्य शोभायात्रा निकलने के साथ ही तीन दिवसीय विभिन्न कार्यक्रमों व खेल महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमे रक्तदान, योग, समाज की विभूतियों को सम्मानित करने के साथ खेलो में क्रिकेट, बैडमिंटन आदि आयोजित किये गए जिसमें तहसील के समाज बंधुओ ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हुए आयोजन भव्य रूप से मनाया। इस अवसर पर सर्व प्रथम भगवान महेश का रुद्राभिषेक पूजन आरती व महेश वंदना की गई तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बच्चों द्वारा प्रतिदिन बोले जाने वाले मंत्रो का वाचन किया गया। साथ ही योग दिवस पर108 ओमकार मंत्र का जाप करने के साथ ही योग अभ्यास किया गया तथा महिला संगठन द्वारा विवाह की बढ़ती उम्र और परिवार में घटना सामंजस्य इस विषय पर लघु नाटिका प्रस्तुत की गई। वाद विवाद प्रतियोगिता, रक्तदान शिविर के आयोजन में 23 समाज बंधुओ ने रक्तदान किया जिसमें युवा वह महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। चार पीढ़ियां एक साथ ऐसे परिवारों का सम्मान तहसील में जिस परिवार में चार पीढ़ियां एक साथ रह रही है ऐसे तीन परिवारों को स्वर्ण योग सम्मान से तहसील अध्यक्ष भागीरथ गांधी, लूणकरंण चितलांगे, रमन लाल चांडक सत्यनारायण चांडक के हस्ते सम्मानित किया गया। शहर से गांव आई बहु का सम्मान बड़े शहरों से छोटे ग्राम में विवाह कर आने वाली तथा वहीं पर निवास कर रहने वाली 07 बहूओ का मेरा गांव मेरा अभियान सम्मान से सम्मानित किया गया। तथा जिन परिवारों के अभिभावकों ने 21 से 25 वर्ष की उम्र में अपने बच्चों का विवाह कराया ऐसे छह परिवारों को आदर्श माता-पिता का सम्मान प्रदान किया गया समाज गौरव सम्मान के अंतर्गत लाखानदूर के 14 वर्षीय देवांश कलंत्री को इंडियन वर्ल्ड रिकॉर्ड में नामांकित होने पर उसके पूरे परिवार का सत्कार किया गया तथा कार्यक्रम के पश्चात समाज बंधुओ के लिए स्नेह भोज आयोजित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए नवयुवक संगठन के पवन मंत्री, केशव भूतड़ा, राम चांडक,आनंद भैया, शुभम भूतड़ा, नयन राठी ,निमिष ,अर्चित चितलांगे और समाज के सभी समाज बंधुओ ने अथक परिश्रम कर कार्यक्रम को सफल बनाया साथ ही माहेश्वरी महिला मंडल की पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने अथक प्रयास किया व कार्यक्रम का संचालन प्रकाश चांडक ने किया।

3.91 लाख की नकदी ले उड़े चोर, केस दर्ज,

भंडारा, ब्यूरो. जिले के पवनी स्थित शेषनगर क्षेत्र में फ्लिपकार्ट कार्यालय का शटर तोड़कर अज्ञात चोरों द्वारा करीब 3 लाख 90 हजार 956 रुपये की नकदी चोरी किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है. घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया. मामले में पवनी पुलिस थाने में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है. शटर तोड़कर घुसे आरोपी पुलिस के अनुसार, सोमवारी वार्ड, पवनी निवासी अंकित मनोहर भांबोरे (30) शेषनगर स्थित फ्लिपकार्ट कार्यालय में टीम लीडर के पद पर कार्यरत हैं. पार्सल वितरण करने वाले कर्मचारियों द्वारा जमा की गई राशि उन्होंने कार्यालय में लगे कैश लॉकर में सुरक्षित रखी थी. इसमें 25 जून से 28 जून के बीच एकत्र हुई कुल 3,90,956 रुपये की नकदी शामिल थी. 28 जून की रात अज्ञात चोरों ने कार्यालय के शटर के दोनों ताले तोड़कर अंदर प्रवेश किया. इसके बाद उन्होंने दीवार से जुड़ा कैश लॉकर उखाड़ लिया और उसमें रखी पूरी नकदी लेकर फरार हो गए. सुबह कार्यालय खुलने पर चोरी की जानकारी मिलने के बाद अंकित भांबोरे ने तत्काल पवनी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई. शिकायत के आधार पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है. पवनी के पुलिस निरीक्षक महेंद्र शहारे के मार्गदर्शन में जांच की जा रही है.

ट्रैक्टर से बाड़ तोड़कर नुकसान

गोंदिया-रावणवाड़ी थाने के तहत लोधीटोला-सावरी निवासी 50 वर्षीय फिर्यादी महिला के घर से लगी हुई जमीन को लेकर फिर्यादी के घर पर विवादमुक्त समिति की बैठक थी. बैठक में आरोपी कुवरलाल रुमन दमाहे (60), टेकचंद कुवरलाल दमाहे (40), आनंद गणेश दमाहे (26), कुणाल टेकचंद दमाहे (21) व प्रफुल कुवरलाल दमाहे (35) ने विवाद कर गालीगलौज की. फिर्यादी की दोनों लड़कियां बीचबचाव करने आई तो उनके साथ भी गालीगलौज कर जान से मारने की धमकी दी व ट्रैक्टर से फिर्यादी की बाड़ तोड़कर 10 हजार रु. का नुकसान किया. फिर्यादी की शिकायत पर दवनीवाड़ा पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार सव्वालाखे कर रहे हैं.

गुट ग्रापं चुनाव को लेकर गर्मा रहा माहौल

मुंडीकोटा/(तिरोड़ा). तहसील में हाल में गुट ग्राम पंचायत के प्रभाग अनुसार आरक्षण घोषित कर दिया गया है. तत्संबंधी आक्षेप 25 जून 2026 तक ग्राह्य थे. अब गुट ग्राम पंचायत चुनाव के लिए ग्रामीणों में माहौल गर्मा गया हैं. जिसके लिए ग्राम के हर नागरिक मतदान देकर अपना हक जताता है. जिसके साथ चुनाव में उम्मीदवार भी कड़ी मेहनत हर एक वोट के लिए करते हैं. जल्द ही गुट ग्राम पंचायत के चुनाव होने वाले हैं. जिसके लिए अभी से ही ग्राम में बड़ी जोरों से तैयारी शुरू है. हर ग्राम में चौपाटी तथा चौक में रात में ग्राम पंचायत के चुनाव के बारे में चर्चा करते गांव के लोग नजर आ रहे हैं. किस प्रत्याशी को खड़ा करना है और किसे चुनकर लाना है यह राजनीतिक उठापटक शुरू हो गई है. जिसमें सरपंच पद के लिए अलग से मतदाता होगा व शेष सदस्यों के लिए भी मतदान करना होगा. यह चुनाव कुछ महीनों में ही होने वाले हैं इसके लिए अभी से ही चुनाव में जो उम्मीदवार खड़े होने वाले हैं वे रणनीति बना रहे है.

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया-४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित । संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र.९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया ।